ORGANIGED A WORKSHOP CUM DOCUMANTATION OF " MAHILA SANGEET "OF ASSAM.

(आसाम का महिला संगीत - कार्यशाला एवं दस्तावेजीकरण)

ब्लू प्रिंट

असम के सामाजिक जीवन के गठन में महिलाओ के अनुष्ठानिक सहयोगिता को उचाच्तम माना गया है । इन अनुष्ठान के द्वारा उत्पन्न रीती-रिवाज से असम का समाज सांस्कृति के उच्च शिखर पर प्रतिस्थापित हुआ है । समाज में आये नित नए बदलाव से नई पीढ़ी परंपरागत रिति रिवाज से दूर होती जा रही है । आज कल इन रिवाजो की चर्चा न होने से यह लुप्त होती जा रही है । सामाजिक विभिन्न अनुष्ठानो में गीत संगीत का अपना एक अलग महत्व है । जीवन के विभिन्न अवसरों के लिए विशेष प्रकार के गीत- संगीत को सजोया गया है इन गीतों क माध्यम से नई पीढ़ी में जीवन जीने की कला, कर्तव्यों, नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाती है ।

आज की जीवन शैली में समय की नितांत कमी होती जा रही है। जिससे सामाजिकता या सामूहिकता का आभाव हो रहा है । आज की भौतिक जीवन शैली में एकल पारिवार की बढ़ोतरी होती जा रही है जिससे बच्चों की परवरिश में दादी –नानी की उपस्थिति की संभावनाए काम हो रही है। समय की कमी से विवाह उत्सव जो पहले छह सात दिन की अवधि में संपन्न होते थे, वै केवल एक दिन में समाप्त हो रहे है। जिनसे सम्पूर्ण कार्क्रम व जीवन में के लिए छोटा रास्ता अपनय जा रहा है। जिससे बहुत कुछ कटता जा रहा है ।

असम के महिला संगीत में तीन महत्वपूर्ण संगीत निम्न है ।

* बिया नाम (विवाह गीत) ।
* भक्तिमुलक गीत ।
* निसुकोनी गीत (लोरी) ।

बिया नाम (विवाह गीत)-

यह गीत विवाह के अवसर पर गाये जाते है । इन गीतों में नव वधु को नए सामाजिक जीवन के कर्तव्यों व दायित्व निर्वाहन की नैतिक शिक्षा दी जाती है । संपूर्ण विवाह उत्सव के मांगलिक कार्यक्रम के लिए अलग अलग गीत समाज की महिलाओ द्वारा गाये जाते है। और कार्यक्रम संपन्न होते है । इन गीत गाने वाली महिला समूह का नेतृत्व समाज की बूढी अनुभवी महिलाए करती है । जिनके साथ नव-ययुवतियां भी शामिल होती है जो अनुभवियों के साथ सिखने की प्रक्रिया भी होती है। जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक यह संस्कृतिक मूल्य पहचाने की प्रक्रिया है।

भक्तिमुलक गीत

इन गीतों के माध्यम से व्यक्ति में धर्म, संस्कार, कर्तव्य, नैतिक मूल्य आदि विषय का वर्णन होता है ।यह गीत पुराणिक आख्यान आदि में दी गई नैतिक व सामाजिक शिक्षा से जुड़े होते है ।विभिन्न अवसरों पर महिलाए नाम-घर, पूजा-अनुष्ठान स्थल आदि पर गए जाते है। इसमे निम्न प्रमुख है - आई नाम ,दिहा-नाम ,नन्द उत्सव नाम आदि ।

निसुकोनी गीत (लोरी)

निसुकोनी गीत बाल-गीत है जिन्हें हिंदी में लोरी कहा जाता है । इन गीतों को नानी- दादी द्वारा गाया जाता था । जो प्राय लुप्त हो चुके है। यह गीत एक प्रकार की बाल मन के लिए संगीत-चिकित्सा की तरह कार्य करते है ।निसुकोनी गीत (लोरी) गीतों से बच्चों की कल्पना शक्ति का विकास होता है और बाल मन स्वप्न लोक में विचरण करता है ।

उद्धेश्य-

परम्परागत महिला संगीत जो असम के समाज में धीरे धीरे लुप्त प्राय हो रहा है इस कला में निपूर्ण महिलाओं को एकत्रित कर उनके सानिध्य में कार्यशाला आयोजित कर के वर्तमान पीढ़ी व नव युवतियों को प्रशिक्षित करना कलाकार चिन्हित कर इस कला को पुनःजीवित करने के प्रयास में एक पहल करना, एवं **डोक्युमेन्टेशन कार इस कला विधा को संरक्षण देना** ।

योजना प्रारूप-

सबसे पहले ऐसी अनुभवी महिलाओ को असम के गाव गाव में चिन्हीत किया जाएगा ।असम के अलग अलग महिलाओं के समूह को चिन्हित कर कार्शालाओ का आयोजन किया जाएगा और उनके समूह बनाकर इसकी चर्चा की जाएगी महिलाओ के अलग अलग समूहों में इन गीतों को सुन कर लिखित संकलन किया जाएगा ।जिससे इन गीतों का संगीत व स्वर लिपिबद्ध किया जाएगा ।

सबसे ज्यादा अनुभवी विशिष्ट कलाकारों को चुनकर एक 15 दिवसीय कार्य शाला का आयोजन कर उनके इस संकलित कार्य को अदान - प्रदान के लिए लगभग 25-30 नव युवतियों और गृहणियो को प्रशिक्षण दिया जाएगा । व **डोक्युमेन्टेशन किया जाएगा** ।

कार्य क्षेत्र - धोकुअखाना, जिला-लखीमपुर (असम) के आस पास का क्षेत्र

समय - कार्यशाला का आयोजन दिनांक 10 मार्च से 25 मार्च 2015

समाप्ति-

कार्यशाला के अंत में प्रशिक्षुओ के अभिभावकों एवं क्षेत्र के साहित्यिक प्रबुद्ध जनों के सम्मुख एक सामूहिक प्रदर्शन किया जाएगा

महिला समूहों के पारम्परिक संगीत कार्यक्रम के चित्र

अरुंधती कलिता

C/O धरनीधर कलिता

अलोक नगर, धौकुअखाना,

लखीमपुर (असम)

पिन-787055

Cont- 07597685739

arundhatikalita@gmail.com

ORGANIGED A WORKSHOP CUM DOCUMANTATION OF " MAHILA SANGEET "OF ASSAM.

(आसाम का महिला संगीत – कार्यशाला एवं दस्तावेजीकरण)

असम के सामाजिक जीवन के गठन में महिलाओ के अनुष्ठानिक सहयोगिता को उचाच्तम माना गया है । इन अनुष्ठान के द्वारा उत्पन्न रीती-रिवाज से असम का समाज सांस्कृति के उच्च शिखर पर प्रतिस्थापित हुआ है । समाज में आये नित नए बदलाव से नई पीढ़ी परंपरागत रिति रिवाज से दूर होती जा रही है । आज कल इन रिवाजो की चर्चा न होने से यह लुप्त होती जा रही है । सामाजिक विभिन्न अनुष्ठानो में गीत संगीत का अपना एक अलग महत्व है । जीवन के विभिन्न अवसरों के लिए विशेष प्रकार के गीत- संगीत को सजोया गया है इन गीतों क माध्यम से नई पीढ़ी में जीवन जीने की कला, कर्तव्यों, नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाती है ।

आज की जीवन शैली में समय की नितांत कमी होती जा रही है । जिससे सामाजिकता या सामूहिकता का आभाव हो रहा है । आज की भौतिक जीवन शैली में एकल पारिवार की बढ़ोतरी होती जा रही है जिससे बच्चों की परवरिश में दादी –नानी की उपस्थिति की संभावनाए काम हो रही है । समय की कमी से विवाह उत्सव जो पहले छह सात दिन की अवधि में संपन्न होते थे, वै केवल एक दिन में समाप्त हो रहे है। जिनसे सम्पूर्ण कार्क्रम व जीवन में के लिए छोटा रास्ता अपनय जा रहा है । जिससे बहुत कुछ कटता जा रहा है ।

असम के महिला संगीत में तीन महत्वपूर्ण संगीत निम्न है ।

*** बिया नाम (विवाह गीत) ।**

*** भक्तिमुलक गीत (आई नाम,लक्ष्मी सबाह नाम) ।**

*** निसुकोनी गीत (लोरी) ।**

पहली रिपोर्ट

इस उद्धेश्य से महिला संगीत के कलाकारों की खोज प्रारम्भ की गई । मैंने आसाम में अपने संपर्को से पूछताछ की व खोज की, जिससे इस महिला संगीत के कुछ कलाकरों का नाम पाता चला जो गांव के धार्मिक एवं सामाजिक अनुष्ठान में अभी भी गाते है । ये उनका सामाजिक कार्य एवं शिक्षा है ।

आसाम के लखीमपुर जिले के धौकुआखाना व् घिलामोड़ा गांव में इन कलाकारो से मेरा संपर्क हुआ है जिनके अनुसार ये एक पारम्परिक संस्कार है जो पीढ़ी दर पीढ़ी महिलाओ में सामाजिक कार्यों एवं अनुष्ठानो में स्वतः ही सीख लिया जाता है इसके लिए कोई विशेष प्रशिक्क्षण प्रक्रिया नहीं होती है लेकिन इन दिनों युवा पीढ़ी का रुझान इस तरह के सामाजिक कार्यों व् अनुष्ठानो में कम हो रहा है जिससे इस के प्प्रशिक्षण कि आवश्यकता महसूस होती है इन कलाकरों से बातचीत से पता लगा कि ये अनुष्ठानका आसाम के समाज में विशेष महत्त्व एवं अर्थ है जो निम्न प्रकार समझा जा सकता है

बिया नाम (विवाह गीत)-

असमिया विवाह अनुष्ठान में विभिन्न क्रम में महिला द्वारा गाए हुए गीत असमिया लोक साहित्य की अमूल्य सम्पदा है । दाम्पत्य जीवन के आदर्श, वर कन्या का रूप,योवन का वर्णन , कन्या का अपने पिता के घर के विच्छेद का कारुण्य, नारी जीवन कि आशा-आकाक्षाए,और घरेलु चित्रपट का का सुन्दर प्रकाश बिया नाम में प्रतिफलित होता है। वर वधु के स्नान के लिए पानी लेने जाना, वर का स्वागत संस्कार, होम यज्ञ के पास बैठना, वर पक्ष से प्राप्त "जुड़ून" (वस्त्र एवं आभूषण) से कन्या को सजाने के समय, कन्या की बिदाई के समय महिलाए द्वारा अलग अलग प्रकार के बिया नाम को गया जाता है । प्रत्येक गीत का अलग सुर एवं महत्व है ।

विशेतः इन बिया नाम में वर-कन्या को शिव पार्वती,राम सीता, लक्ष्मी नारायण,आदि के स्वरूप के रूप तुलना कर गीत गए जाते है। अतः इन गीतों से धर्म एवं मर्यादा की शिक्षा भी वर कन्या को दी जाती है। पौराणिक कहानी से जुड़े इन नाम गीतों के अलावा ऐसे कई नाम गीत गाए जाते है । जिनमे सरलता, कल्पना, गरेलु जीवन का चित्रण और स्थान विशेष में

कौतुक , हास्य रस, विच्छेद का कारुण्य परिलक्षित होते है। इन गीत गाने वाली महिला समूह का नेतृत्व समाज की बूढी अनुभवी महिलाए करती है । जिनके साथ नव-ययुवतियां भी शामिल होती है जो अनुभवियों के साथ सिखने की प्रक्रिया भी होती है। जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक यह संस्कृतिक मूल्य पहचाने की प्रक्रिया है।

भक्तिमुलक गीत

इन गीतों के माध्यम से व्यक्ति में धर्म, संस्कार, कर्तव्य, नैतिक मूल्य आदि विषय का वर्णन होता है । यह गीत पुराणिक आख्यान आदि में दी गई नैतिक व सामाजिक शिक्षा से जुड़े होते है । विभिन्न अवसरों पर महिलाए नाम-घर, पूजा-अनुष्ठान स्थल आदि पर गए जाते है । इन भक्ति मूलक गीतों में से मेने विशेषतः आई नाम व् लक्ष्मी सबाह के नाम गीत की जानकारी ली है जो अभी लुप्त प्रायः अवस्था में है ।

आई नाम व लक्ष्मी सबाह का तात्पर्य एवं वर्णन निम्न प्रकार से है ।

(A) आई नाम -

असमिया समाज में विश्वास है कि बसंत ऋतूकाल में निकालने वाले बसंत रोग(चिकन पोक्स) जिसे स्थानीय भाषा में आई अथवा माताजी कहा जाता है, इस समय रोगी के पास अनुष्ठानीक रूप में **आई नाम** गाने से बसंत रोग में आरोग्य प्राप्त होता है। इस बसंत रोग की देवी के रूप सात देवी बहनों को संतुष्ट करने के लिए आई नाम गाते है । इस अनुष्ठान में महिलाओ द्वारा गाये जाने वाले गीतों में सरल विश्वास और भक्ति का परिचय मिलता है । देवी को मात्रीमान कर अति अपनेपन के साथ अंतर्मन से श्रद्धा व् भक्ति से इन गीतों के जरिये देवी का आह्वान किया जाता है ।

(B) लक्ष्मी सबाह नाम -

आहिन व काति माह के बीच लक्ष्मी पूर्णिमा आती है। सुख-समृधि की प्रतिक लक्ष्मी देवी के उद्देश्य से खेत में,भराल घर में, घर की दहलीज पर, धुप, दीया, व नैवेद्य का भोग लगाकर नाम कीर्तन करना लोक परंपरा है । घर में पहली बारकटाई के बाद खेत से धान लाने के दिन लक्ष्मी को सदैव प्रसन्न रखने व धन-धान्य से परिपूर्ण रहने के लिए लक्ष्मी सबाह के गीत गए जाते है ।

निसुकोनी गीत (लोरी)

निसुकोनी गीत बाल-गीत है जिन्हें हिंदी में लोरी कहा जाता है । इन गीतों को धाय नाम भी कहा जाता है । इन गीतों के जरिये शिशुमन को एक स्वप्न-संसार में ले कर जाते है जहाँ कोई काल नहीं है, कोई सीमा बंधन नहीं है, जहा जो खोजते वही मिलता है । निसुकोनी (लोरी) गीतों से बच्चों की कल्पना शक्ति का विकास होता है और बाल मन स्वप्न लोक में विचरण करता है ।

कुछ महिला संगीत के कलाकारों के नाम इस प्रकार है जिनके बारे में मुझे सूचना प्राप्त हुई है जो लखीमपुर के घिलामोडा एवं धौकुअखाना के निवासी है ।

1. नीरू कलिता
2. अमी सैकिया
3. नीरू दत्त
4. पुण्यलता दत्त
5. सावित्री दत्त
6. हायोंती दत्त
7. होरुपाही दत्त
8. चेनेही दत्त
9. कृष्णा मिली
10.निरादा दत्त

इन कलाकारों से संपर्क में अन्य कलाकारों के भी मिलाने की उम्मीद है जिनसे इन समस्त नाम गीतों को सुनकर इनका संग्रहित किया जाएगा।

अरुंधती कलिता
C/O धरनीधर कलिता
अलोक नगर, धौकुअखाना,
लखीमपुर (असम)
पिन-787055
Cont- 07597685739
arundhatikalita@gmail.com

Shri Manish

358
28/9/15

29/9/15

Arundhati Kalita

ORGANIGED A WORKSHOP CUM DOCUMANTATION OF "MAHILA SANGEET" OF ASSAM.

(आसाम का महिला संगीत – कार्यशाला एवं दस्तावेजीकरण)

अंतिम रिपोर्ट

बिया नाम (विवाह गीत)

असमिया विवाह अनुष्ठान में विभिन्न क्रम में महिला द्वारा गाए हुए गीत असमिया लोक साहित्य की अमूल्य सम्पदा है। दाम्पत्य जीवन के आदर्श, वर कन्या का रूप, योवन का वर्णन, कन्या का अपने पिता के घर के विच्छेद का कारुण्य, नारी जीवन कि आशा-आकाक्षाए, और घरेलु चित्रपट का सुन्दर प्रकाश बिया नाम में प्रतिफलित होता है। वर वधु के स्नान के लिए पानी लेने जाना, वर का स्वागत संस्कार, होम यज्ञ के पास बैठना, वर पक्ष से प्राप्त "जुड़ून" (वस्त्र एवं आभूषण) से कन्या को सजाने के समय, कन्या की बिदाई के समय महिलाए द्वारा अलग अलग प्रकार के बिया नाम को गया जाता है। प्रत्येक गीत का अलग सुर एवं महत्व है।

विशेतः इन बिया नाम में वर-कन्या को शिव पार्वती, राम सीता, लक्ष्मी नारायण, आदि के स्वरूप के रूप तुलना कर गीत गाये जाते है। अतः इन गीतों से धर्म एवं मर्यादा की शिक्षा भी वर कन्या को दी जाती है। पौराणिक कहानी से जुड़े इन नाम गीतों के अलावा ऐसे कई नाम गीत गाए जाते है। जिनमे सरलता, कल्पना, घरेलु जीवन का चित्रण और स्थान विशेष में कौतुक, हास्य रस, विच्छेद का कारुण्य परिलक्षित होते है। इन गीत गाने वाली महिला समूह का नेतृत्व समाज की बूढी अनुभवी महिलाए करती है। जिनके साथ नव-ययुवतियां भी शामिल होती है जो अनुभवियों के साथ सिखने की प्रक्रिया भी होती है। जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक यह संस्कृतिक मूल्य पहचाने की प्रक्रिया है।

आसाम के लखीमपुर जिले के धौकुआखाना के कलाकारो के अनुसार ये एक पारम्परिक संस्कार है। जो पीढ़ी दर पीढ़ी महिलाओ में विवाह अनुष्ठानो में स्वतः ही सीख लिया जाता है। इसके लिए कोई विशेष प्रशिक्षण प्रक्रिया नहीं होती है, लेकिन इन दिनों युवा पीढ़ी का रुझान इस तरह के सामाजिक कार्यों व् अनुष्ठानो में कम हो रहा है। जिससे इस के प्प्रशिक्षण कि आवश्यकता महसूस होती है।

इस दौरान उन महिलाओ के साथ एक कार्यशाला का आयौजित किया गया जंहा पर बुजुर्ग महिलाओ ने नई पीढ़ी की लड़कीयों को प्रशिक्षण दिया। महिला संगीत के कलाकारों के नाम निम्न है, जो लखीमपुर के धौकुअखाना के क्षेत्र के निवासी है जिनके सहयोग से बिया नाम (विवाह गीत) का दस्तावेजीकरण हुआ। इन कलाकारों से बातचीत व गीतों को सुनकर इनको संग्रहित किया गया है।

1. Durgeswari Neog.
2. Ami Saikia.
3. Arpana Dutta.
4. Riju Barua.
5. Manju Barua.
6. Tagarmai Saikia.

BIYA NAAM

1.Jurunor naam

Dula ana dulia ,japi ana lagua
Jurun ahi palehi
Aaideuk maat lagua
Ahise jurun bahise bajat
Aaideu hui asile deutar rumat
Lahe lahe kari bhaitiye jagai
Uthasun baideu oi alankar pindha

O sakuntala dusmantar putala
Aji dekhun baideo hamajat bohila
Mukunda murari nabahi nuari
Rame di pathaise bichitra alankar
Nipindhi nuari

Marar alankar baideo amar moramar
Jua kati kari baideo amar moramar
Deutarar alankar thuahe
baideo amar moramar hakalure adarar
hikai bujai loba hahu tumar manar matanar
pukhurir magur mas dekhatei hital
baideur fuli jur dekhatei pital
tatu nidile jilmil mina
baideur fuli jur bajarat kina

Tamul kati baideo o hatat seka lagala
Hunar nekles diba buli amar agat jahala
Jahalenu ki hoba dukanare chain baideo
Kailoi kala pariba.

2.Pani tula naam

Ram Krishna Daivaki ulale
Ram Krishna pani tulibaloi
Hari mur o kakhate kalosi loi

Ram Krishna handhyate gomone
Ram Krishna jatra humangale
Hari mur o pani tuliboloi buli

Ram Krishna age pase kori
Ram Krishna gayan bayan kori
Hari mur o dhuliai dhake dhul bai

Kakhe ghanta lua radhe a
Mathe lua mala
Jamunaloi jaba lage nakariba hela

Ram Krishna riniki riniki
Ram Krishna dekhisu jamuna
Hari mur o boi ase kadamar tole

Akakhate jail ase Siva-Durga thupi thupi tara
Daivakiye pani tule Siva-Durga nase Apesara
Aji Ramar ghare ful chandan tulakhi
Kiba jagya kore ful chandan tulakhi
Anaise jamunar jale hae
Phul chandan tulakhi
Bharil ne nabharil Radha tumar kolosi.

Sariu kakhe kalor puli tatu amar dali
Tate bahi amar aaideo karise dhemali
Baideure padulite hai ase nal
Kolohe kolohe dhale jamunare jal

Dhole dhake dhaki a jai dhol
Kanhore kolosi a jai dhol
Ana kur akhoni a jai dhol
Dia lure kati a jai dhol
plakh goi nadite pani pani jai dhol
Indra maloti parijat phul

Ga dhui aaideo o huryaloi namaskar
Muke hudhile huryaloi namaskar
Ki haaj halaba paru hai

Huryaloi namaskar, chandraloi namaskar
Raijoloi namaskar kora baideo barambar
Sante hukua Huryaloi namaskar
Muthite lukua Huryaloi namaskar
Hai haaj pindhiba para hai
Huryaloi namaskar, chandraloi namaskar
Raijoloi namaskar kora baideo barambar.

3.MURAT SAUL DIA NAAM

Agot dia pasot dia
Pansa ayatiye ki ram ram Pansa ayatiye
Durba ghatar pani aani
Aaideur murat diye ki ram ram Aaideur murat diye

Pukhurite pani nai kolohe nubure
Ki ram ram kolohe nubure
Tate pari pakhi gane
Jake jake ure Ki ram ram Jake jake ure
Pukhurire pare pare mriga pahu sore
Ki ram ram mriga pahu sore
Take dekhi Ramchandrae hara dhunu dhare
Ki ram ram hara dhunu dhare

4. KOINA HAJUA GEET-1

Shaym baronia o maromia
Axomkhon dhunia o maromia
Bharatar numali jie maromia
Aaideuk hojaboloi aha hamonia
Shri Shankardev a salor major buruli
Dharma prasarile salor major buruli
Madhavak lagote loi major buruli
salor major buruli, hobhar madhye uruli
aaideu patit boha , Krishna Krishna buli.

5. KOINA HAJUA GEET-2

O mon tara baideuk hojaboloi ahe kor pora
Ahise ahise townr lady ,cinema stylot hojabo aji
Lai hale jale ranga matir sapara
Abeli batahe ranga matir sapara
Lapha hale jale pate o ranga matir sapara
Lukok ki hojaba nijor murei japara
Guborar kharahi pitalor bau
Baideuk hojaboloi najana bhau
Baideuk hojaboloi najana budhi

Gharotu nahila marak hudhi.

6. KOINA HAJUA GEET-3

Shilling Guwahati ,jorhaat ,tiyak
Koina hajua joni oti budhiok
Raijoke dekhuai hojaise koina
Iphale nijor much saise aina
Paudar snow ji lagise hatot
Hojua salere ghahise galot
Nalage koribo imankoi style
Aneye raije dekhibo bhal.

7. KOINA HAJUA GEET-4

Renu o benu
Duroit srikrishnai bojaise benu
Benur mate huni aaideuye kande
Jiori jibantu ghurai muk lage
Jiori jibantu diba nuari
Ajir pora hola lukor buari.

8. KOINA HAJUA GEET-5

Russiare rocketbur kune baru urale
Aamar aaideur gahin man kune baru bhulale
Nil akakhor tolote ,purnimare junote
Aamar aaidur gahin mon bhindeuye bhulale
Prakritir parokh pai aaideur mon bhuli jai
Aaiseur jibanoloi dhumuha ahe jai

Hai dhumuhake bukut bandhi loi
Aaideu name ahe jibon hangramoloi.
prathamote pabagoi jibon logori
ditiyote pabagoi natun
tritiyote aaideuye bhabiboloi dhorile
natun hankharkhoni solam kenekori
anedore salaba tenedore salaba
mamatare smriti anukoron koriba.

9. KOINA HAJUA GEET-6

Maa moina puhisil xunor xoja hajisil
Maa xua roomate xunor xojat thoisile
Maa moina dangor hol xunor xoja xaru hol
Lukor moina loge pai maar moina uri gol
Moina sarair bejarot maye kandè nijanot
Kandu kandu monere bikhad bhora antore
Usarote bhaiti bohi make bahut bujaise
Nakanda maa nakanda putra tule punyaloi
Kanya tule daanoloi.

Ou gosar kumol kunhi haithai pori khai
Deutai puha moina joni koloi uri jai
Deutai kande inai binai ,maye kande roi
Bhitorote bhanti kande aaideur kotha koi
Nakandiba bhanti tumi nokoriba dhukh
Kailoi rati puate bidai diba muk.

10. BIDAI DIYA GEET

Hatot pane bota baideu tamul kata
Tare akhoni loi deutak maat lagua
Maramar deuta oi jaboloi ulalu
Jabore hamayat mathe lagalu
Hatot pane bota baideu tamul kata
Tare akhoni loi maak maat lagua
Maramar maa oi jaboloi ulalu
Jabore hamayat hewahe jasilu
Akeloge akehange anisilu pani
Jabor porot baideu tumi nathakiba kandi
Akeloge akehange boisilu taat
Jabor porot baideu tumi logai jaba maat
Niyorare tupal hori dubarite rol
Homaniar para baideu bidai lobar hol
Nakandiba mahi pehi nakandiba bou
Tumar gharot jiralehi urania mou
Bidai bidai aji aroti bidai
Bankho juri ase rankhutahe nai
Aajir pora baideu tumi nangalare baj
Tumi morileu baideu saru nepelai.

11.HUMAR GURIR NAAM -1

Tin paatar robha khoni tomalere bondha
Aamar dada bohilote huai poril robha
Gosar madhye tamul jupi lota madhye paan
Robhar madhye aamar dada puruxor pradhan

Bau hatar maladhari huhataloi lua

Agni huryak saksi kori swamir murat dia
Gasu ranga patu ranga ranga narji phul
Usar sapi boha baideu najai jati kul.

12.HUMAR GURIR NAAM -2

Kolia tulokhi jupi sakolia paat
Jagyat bohi aamar dadai jalot dise haat
Jalot dise ,sthalt dise, puspat dise haat
Akakhote deva gone dise asirwad
Akakhote Chandra surya thamokihe rouk
Dada nobor hubha milon hukha moi houk.

13. JURA NAAM

Lai hale jale barir dhapor hilikha
Abelir botahe barir dhapor hilikha
Lopha hale jale pate he
Barir dhapor hilikha bhindeu tumi tilika
Aamar baideu ukha pakha hamajote jilika
Lai hale jale aamar dada padum pat
Lopha hale jale aamar dada padum pat
Abelir botahe pate o
Aamar dada padum pat nabou tumi kasupaat
Usor sapi nabohiba khajuwaba tumar gaat

Khuti khuti khuti nangolor khuti
Dadatkoi nabou ahatar suti
Heyenu nabouye kinu bhui ruba
Akanthu panite taloloi jaba.

14.UPADEKH DIYA NAAM-1

Nijara nijori bornoi kakhot
Kenekoi ulaba borjanar agot
Sadore urani digholkoi loba
Hole bhetabheti sapori jaba

Bhalkoi katiba juhalor jabor
Pelaba lagibo guhalir gubor
Baniba lagibo dhekite dhan
Koribo lagibo gharkhonar kaam
Koribo lagibo gharkhonar kaam
Tehe jilikibo tumare naam.

Shillongote thanda bor soli ase akhon ghar
Lagai bhagai baideu tumi nakoriba dukhon ghar
Ahu dhanr gela kher
Nander logot baideu tumi napatiba bagi khel.

14.UPADEKH DIYA NAAM-1

O mon tora hunasun baideu o ketaman kotha
Puwanti ratite uthiba hui bahiban kori dhoriba jui
Nandaror logote baniba dhan
Maak jugai diba pakghoror kaam.
Gadhui iswarok koriba tuti
Nijor swamir prati rakhiba bhakti
Usar suburiak koriba maan
Tehe jilikibo tumare naam.

बिया नाम (विवाह गीत) के कलाकार

Durgeswari Neog	Ami Saikia.	Riju Barua
Tagarmai Saikia.	Manju Barua	Arpana Dutta

कार्याशाला व दस्तावेजीकरण के समय

कार्यशाला का आयोजन

'অয়ন' থিয়েটাৰৰ আইনাম-বিয়ানামৰ কৰ্মশালা ফটো ঃ ৰাজীৰ বৰুৱা

আইনাম বিয়ানামৰ ঢকুৱাখনাত কৰ্মশালা

বিশেষ বাৰ্তা, ঢকুৱাখনা, ৪ জুলাই ঃ ঢকুৱাখনাৰ অপেছাদাৰী নাট্য সংগঠন 'অয়ন' থিয়েটাৰৰ উদ্যোগত যোৱা ৯ জুনৰ পৰা ঢকুৱাখনা আৰু ঘিলামৰা অঞ্চলৰ বিভিন্ন গাঁৱৰ মহিলাসকলৰ এখন আইনাম আৰু বিয়ানামৰ কৰ্মশালা অনুষ্ঠিত হয়। অসমৰ গাঁওবোৰৰ দৰে বিশেষকৈ সাংস্কৃতিক দিশত চহকী ঢকুৱাখনাৰ গাঁওবোৰৰ মহিলাসকলৰ মাজত ক্ৰমে বিশ্বায়নৰ প্ৰভাৱত মৌখিক লোক-সাহিত্যৰ অন্যতম সম্পদস্বৰূপে বিবেচিত আইনাম, বিয়ানাম গোৱাৰ যি পৰম্পৰা সেয়া হেৰাই যাবলৈ লৈছে। চহা গঞা মহিলাৰ মুখে মুখে সুললিত কণ্ঠত নিগৰি অহা জাত জাত আইনাম, বিয়ানামৰ চৰ্চাৰ যোগেদি সংৰক্ষণৰ কাম কৰি অহা বাষ্টীয় নাট্য বিদ্যালয়ৰ স্নাতক অৰুন্ধতী কলিতাই আগবঢ়োৱা এইলানি কৰ্মশালাত ঢকুৱাখনাৰ ১৩গৰাকী আৰু ঘিলামৰাৰ ১০গৰাকী মহিলাই অংশগ্ৰহণ কৰে। আনহাতে এই ২৩গৰাকী মহিলাই অনাগত দিনত আইনাম, বিয়ানামৰ চৰ্চা অব্যাহত ৰাখি সংৰক্ষণ কৰাৰো সংকল্প লয়।

बिया नाम (विवाह गीत) का ऑडियो mp3 format संग्लन है।

अरुंधती कलिता
C/O धरनीधर कलिता
अलोक नगर, धौकुअखाना,
लखीमपुर (असम)
पिन-787055
Cont- 07597685739, arundhatikalita@gmail.com

संगीत नाटक अकादेमी Sangeet Natak Akademi
NATIONAL ACADEMY OF MUSIC, DANCE AND DRAMA
an autonomous body of the Ministry of Culture, Government of India
RABINDRA BHAVAN, FEROZE SHAH ROAD, NEW DELHI-110 001

भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एवं परम्पराओं के संरक्षण की योजना का प्रपत्र

1-प्रस्तावित योजना का कार्यक्षेत्र राज्य :

@ असम (भारत)

2- योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा का नाम (क्षेत्रीय, स्थानीय, हिंदी एवं अंग्रेज़ी में)

@ असमिया महिला संगीत (बिया नाम / आई नाम)

3- योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा से सम्बंधित समुदाय का भाषिक क्षेत्र और भाषा, उपभाषा तथा बोली का विवरण :

@ असमिया

4- योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा से स्पष्ट रूप से सम्बंधित प्रतिनिधि ग्राम, समुदाय, समूह, परिवार एवं व्यक्ति का नाम एवं संपर्क (विवरण अलग से संलग्न करें):

@ सलंग्न

5- योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों की जीवंतता का विस्तारित भोगोलिक क्षेत्र (ग्राम, प्रदेश, राज्य, देश, महादेश आदि) जिनमें उनका अस्तित्व है / पहचान है ।

@ धकुअखाना, लखीमपुर ,असम(india)

6- योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा की पहचान एवं उसकी परिभाषा / उसका विवरण :

@ बिया नाम (विवाह गीत)- यह गीत विवाह के अवसर पर गाये जाते है । इन गीतों में नव वधु को नए सामाजिक जीवन के कर्तव्यों व दायित्व निर्वाहन की नैतिक शिक्षा दी जाती है । संपूर्ण विवाह उत्सव के मांगलिक कार्यक्रम के लिए अलग अलग गीत समाज की महिलाओ

द्वारा गाये जाते है । और कार्यक्रम संपन्न होते है । इन गीत गाने वाली महिला समूह का नेतृत्व समाज की बूढी अनुभवी महिलाए करती है । जिनके साथ नव-ययुवतियां भी शामिल होती है जो अनुभवियों के साथ सिखने की प्रक्रिया भी होती है। जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक यह संस्कृतिक मूल्य पहचाने की प्रक्रिया है।

@ **भक्तिमुलक गीत**- इन गीतों के माध्यम से व्यक्ति में धर्म, संस्कार, कर्तव्य, नैतिक मूल्य आदि विषय का वर्णन होता है । यह गीत पुराणिक आख्यान आदि में दी गई नैतिक व सामाजिक शिक्षा से जुड़े होतेहै । विभिन्न अवसरों पर महिलाए नाम-घर, पूजा-अनुष्ठान स्थल आदि पर गए जाते है । इसमे निम्न प्रमुख है – आई नाम ,दिहा-नाम ,नन्द उत्सव नाम आदि

1 . मौखिक परम्पराएं एवं अभिव्यक्तियाँ (भाषा इनमें अमूर्त सांस्कृतिक
विरासत के एक वाहक के रूप में है)

@ सामाजिक रीति-रिवाज, प्रथाएँ, चलन, परम्परा, संस्कार, एवं उत्सव आदि

7- कृपया योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा का एक रुचिपूर्ण सारगर्भित संक्षिप्त परिचय दें

@ असम के सामाजिक जीवन के गठन में महिलाओ के अनुष्ठानिक सहयोगिता को उचाच्तम माना गया है । इन अनुष्ठान के द्वारा उत्पन्न रीती-रिवाज से असम का समाज सांस्कृति के उच्च शिखर पर प्रतिस्थापित हुआ है । समाज में आये नित नए बदलाव से नई पीढ़ी परंपरागत रिति रिवाज से दूर होती जा रही है । आज कल इन रिवाजो की चर्चा न होने से यह लुप्त होती जा रही है । सामाजिक विभिन्न अनुष्ठानो में गीत संगीत का अपना एक अलग महत्व है । जीवन के विभिन्न अवसरों के लिए विशेष प्रकार के गीत- संगीत को सजोया गया है इन गीतों क माध्यम से नई पीढ़ी में जीवन जीने की कला, कर्तव्यों, नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाती है ।

आज की जीवन शैली में समय की नितांत कमी होती जा रही है । जिससे सामाजिकता या सामूहिकता का आभाव हो रहा है । आज की भौतिक जीवन शैली में एकल पारिवार की बढ़ोतरी होती जा रही है जिससे बच्चों की परवरिश में दादी –नानी की उपस्थिति की संभावनाए काम हो रही है । समय की कमी से विवाह उत्सव जो पहले छह सात दिन की अवधि में संपन्न होते थे, वै केवल एक दिन में समाप्त हो रहे है। जिनसे सम्पूर्ण कार्क्रम व जीवन में के लिए छोटा रास्ता

अपनय जा रहा है ।जिससे बहुत कुछ कटता जा रहा है ।असम के महिला संगीत में तीन महत्वपूर्ण संगीत निम्न है ।

* बिया नाम (विवाह गीत) ।
* भक्तिमुलक गीत ।
* निसुकोनी गीत (लोरी) ।

8-योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों के अधिकारी व्यक्ति और अभ्यासी कौन हैं ? क्या इन व्यक्तियों की कोई विशेष भूमिका है या कोई विशेष दायित्व है इस परम्परा और प्रथा के अभ्यास एवं अगली पीढ़ी को संचरण के निमित्त ? अगर है तो वो कौन हैं और उनका दायित्व क्या है ?

@ यह एक परम्परागत सामाजिक अनुष्ठान है जो बुजुर्गो से नव पीडी दर पीडी असमिया समाज संचारित होती है

9. ज्ञान और हुनर/कुशलता का वर्तमान में संचारित तत्वों के साथ क्या अंतर सम्बन्ध है ?

10. आज वर्तमान में सम्बंधित समुदाय के लिए इन तत्वों का सामाजिक व सांस्कृतिक आयोजन क्या मायने रखता हैं?

@ यह सामाजिक रीती रिवाज है

11. क्या योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों में ऐसा कुछ है जिसे प्रतिपादित अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार के मानकों के प्रतिकूल माना जा सकता है या फिर जिसे समुदाय, समूह या फिट व्यक्ति के आपसी सम्मान को ठेस पहुँचती हो या फिर वे उनके स्थाई विकास को बाधित करते हों. क्या प्रस्तावित योजना के तावत या फिर सांस्कृतिक परम्परा में ऐसा कुछ है जो देश के कानून या फिर उनसे जुड़े समुदाय के समन्वय को या दूसरों को क्षति पहुंचाती हो ? विवाद खड़ा करती हो ?

@ नहीं

13. प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा की योजना क्या उससे सम्बंधित संवाद के लिए पारदर्शिता, सजगता और प्रोत्साहन को सुनिश्चित करती है ?

@ हा इस योजना से लुप्त होती परम्परा को नया आधार मिलेगा

14. योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों के संरक्षण के लिए उठाए जाने वाले उपायों/क़दमों/प्रयासों के बारे जानकारी में जो उसको संरक्षित या संवर्धित कर सकते हैं.

उल्लेखित उपाय/उपायों को पहचान कर चिन्हित करें जिसे वर्तमान में सम्बंधित समुदायों, समूहों, और व्यक्तियों द्वारा अपनाया जाता है |

@ पहचान, दस्तावेजीकरण एवं शोध, रक्षण एवं संरक्षण ,संवर्धन एवं बढ़ावा के लिए औपचारिक एवं अनोपचारिक तरीक़े से प्रशिक्षण (संचरण)

15. स्थानीय, राज्य एवं राष्ट्रीय स्टार पर योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत परम्परा के तत्वों के संरक्षण के लिए अधिकारियों ने क्या उपाय किये ? उनका विवरण दें |

-नहीं किया है

@जानकारी में नहीं है

16. योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों के व्यवहार, जीवन्तता और भविष्य को क्या खतरे हैं ? वर्तमान परिदृश्य के उपलब्ध साक्ष्यों और सम्बंधित कारणों का व्योरा दें |

@समय की कमी व् व्यस्त जीवन शैली से सहभागिता कम होती जा रही है

17. संरक्षण के क्या उपाय अपनाने के सुझाव हैं ? (इसमें उन उपायों के पहचान कर उनकी चर्चा करें जिससे के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा मिल सके | ये उपाय ठोस हों जिसे भविष्य की सांस्कृतिक नीति के साथ आत्मसात किया जा सके ताकि के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों का राज्य स्तर पर संरक्षण किया जा सके |)

@ नव पीढ़ी को सामाजिक व् नैतिक मूल्यों से जोडने के लिए प्रचार कर सजगता बढ़ाने के प्रयास करना, नव पीढ़ी के साथ कार्यशाला का आयोजन आदि

18. सामुदायिक सहभागिता (प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों के संरक्षण की योजना में समुदाय, समूह, व्यक्ति की सहभागिता के बारे में लिखें)

@ यह समुदाय विशेष की पहचान है सामूहिक रूप से नहीं पीढ़ी को इसके लिए जागरूक बनाना व् प्रोत्साहन दे ने की आवशयकता है

19. सम्बंधित समुदाय के संघठन(नों) या प्रतिनिधि (यों) (प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों से जुड़ें हर समुदायिक संगठन या प्रतिनिधि या अन्य ग़ैर सरकारी संस्था जैसे की एसोसिएशन, आर्गेनाइजेशन, क्लब, गिल्ड, सलाहकार समिति, स्टीयरिंग समिति आदि)

@ जानकारी में नहीं है

20. किसी मौजूदा इन्वेंटरी, डेटाबेस या डाटा क्रिएशन सेंटर (स्थानीय/राज्यकीय/ राष्ट्रीय) की जानकारी जिसका आपको पता हो या आप किसी कार्यालय, एजेंसी, आर्गेनाईजेशन या व्यक्ति की जानकारी को इस तरह की सूची को संभल कर रखता हो उसकी जानकारी दें ।

@ जानकारी में नहीं है

21. के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों से संबंधित प्रमुख प्रकाशित संदर्भ सूची या दस्तावेज़ (किताब, लेख, ऑडियो-विसुअल सामग्री, लाइब्रेरी, म्यूजियम, प्राइवेट सहृदयों संग्राहकों, कलाकारों/व्यक्तियों के नाम और पते तथा वेबसाइट आदि जो सम्बंधित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों केबारे में हों ।

@ मेरी जानकारी में नहीं है जिसने इस विषय पर काम किये है

हस्ताक्षर .....

अरुंधती कलिता
C/O धरनीधर कलिता
अलोक नगर, धौकुअखाना,
लखीमपुर (असम)
पिन-787055
Cont- 07597685739
arundhatikalita@gmail.com

ORGANIGED A WORKSHOP CUM DOCUMANTATION OF " MAHILA SANGEET "OF ASSAM.

(आसाम का महिला संगीत –कार्यशाला एवं दस्तावेजीकरण)

असम के सामाजिक जीवन के गठन में महिलाओ के अनुष्ठानिक सहयोगिता को उचाच्तम माना गया है । इन अनुष्ठान के द्वारा उत्पन्न रीती-रिवाज से असम का समाज सांस्कृति के उच्च शिखर पर प्रतिस्थापित हुआ है ।समाज में आये नित नए बदलाव से नई पीढ़ी परंपरागत रिति रिवाज से दूर होती जा रही है ।आज कल इन रिवाजो की चर्चा न होने से यह लुप्त होती जा रही है । सामाजिक विभिन्न अनुष्ठानो में गीत संगीत का अपना एक अलग महत्व है ।जीवन के विभिन्न अवसरों के लिए विशेष प्रकार के गीत- संगीत को सजोया गया है इन गीतों क माध्यम से नई पीढ़ी में जीवन जीने की कला, कर्तव्यों, नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाती है ।

आज की जीवन शैली में समय की नितांत कमी होती जा रही है ।जिससे सामाजिकता या सामूहिकता का आभाव हो रहा है । आज की भौतिक जीवन शैली में एकल पारिवार की बढ़ोतरी होती जा रही है जिससे बच्चों की परवरिश में दादी –नानी की उपस्थिति की संभावनाए काम हो रही है ।समय की कमी से विवाह उत्सव जो पहले छह सात दिन की अवधि में संपन्न होते थे, वै केवल एक दिन में समाप्त हो रहे है। जिनसे सम्पूर्ण कार्क्रम व जीवन में के लिए छोटा रास्ता अपनय जा रहा है ।जिससे बहुत कुछ कटता जा रहा है ।

असम के महिला संगीत में तीन महत्वपूर्ण संगीत निम्न है ।

*** बिया नाम (विवाह गीत) ।**

*** भक्तिमुलक गीत (आई नाम) ।**

*** निसुकोनी गीत (लोरी) ।**

पहली रिपोर्ट

इस उद्धेश्य से महिला संगीत के कलाकारों की खोज प्रारम्भ की गई । मैंने आसाम में अपने संपर्को से पूछताछ की व खोज की, जिससे इस महिला संगीत के कुछ कलाकरों का नाम पाता चला जो गांव के धार्मिक एवं सामाजिक अनुष्ठान में अभी भी गाते है । ये उनका सामाजिक कार्य एवं शिक्षा है ।

आसाम के लखीमपुर जिले के धौकुआखाना व् घिलामोड़ा गांव में इन कलाकारो से मेरा संपर्क हुआ है जिनके अनुसार ये एक पारम्परिक संस्कार है जो पीढ़ी दर पीढ़ी महिलाओ में सामाजिक कार्यों एवं अनुष्ठानो में स्वतः ही सीख लिया जाता है इसके लिए कोई विशेष प्रशिक्षण प्रक्रिया नहीं होती है लेकिन इन दिनों युवा पीढ़ी का रुझान इस तरह के सामाजिक कार्यों व् अनुष्ठानो में कम हो रहा है जिससे इस के प्प्रशिक्षण कि आवश्यकता महसूस होती है इन कलाकरों से बातचीत से पता लगा कि ये अनुष्ठानका आसाम के समाज में विशेष महत्त्व एवं अर्थ है जो निम्न प्रकार समझा जा सकता है

भक्तिमुलक गीत

इन गीतों के माध्यम से व्यक्ति में धर्म, संस्कार, कर्तव्य, नैतिक मूल्य आदि विषय का वर्णन होता है । यह गीत पुराणिक आख्यान आदि में दी गई नैतिक व सामाजिक शिक्षा से जुड़े होते है । विभिन्न अवसरों पर महिलाए नाम-घर, पूजा-अनुष्ठान स्थल आदि पर गए जाते है । इन भक्ति मूलक गीतों में से मेने विशेषतः आई नाम के नाम गीत की जानकारी ली है जो अभी लुप्त प्रायः अवस्था में है ।

आई नाम का तात्पर्य एवं वर्णन निम्न प्रकार से है ।

(A) आई नाम -

असमिया समाज में विश्वास है कि बसंत ऋतूकाल में निकालने वाले बसंत रोग(चिकन पोक्स) जिसे स्थानीय भाषा में आई अथवा माताजी कहा जाता है, इस समय रोगी के पास अनुष्ठानीक रूप में **आई नाम** गाने से बसंत रोग में आरोग्य प्राप्त होता है। इस बसंत रोग की देवी के रूप सात देवी बहनों को संतुष्ट करने के लिए आई नाम गाते है । इस अनुष्ठान में महिलाओ द्वारा गाये जाने वाले गीतों में सरल विश्वास और भक्ति का परिचय मिलता है

। देवी को मात्रीमान कर अति अपनेपन के साथ अंतर्मन से श्रद्धा व् भक्ति से इन गीतों के जरिये देवी का आह्वान किया जाता है ।

महिला संगीत के कलाकारों के नाम निम्न है, जो लखीमपुर के घिलामोडा एवं धौकुअखाना के क्षेत्र के निवासी है जिनके सहयोग से आई नाम का दस्तावेजीकरण हुआ ।

1. **Deheshwari kalita.**
2. **Kanmai Baruah.**
3. **Prabha Dutta.**
4. **Bhugeshwari kalita.**
5. **Humala Dutta.**
6. **Runu Dutta.**
7. **Ami Saikia.**
8. **Chenehi Dutta.**
9. **Nirada Dutta.**
10. **Punyada Dutta.**
11. **Nirmala Dutta.**
12. **Maniki Dutta.**
13. **Anumai Dutta.**
14. **Niru Kalita.**
15. **Nirada Dutta.**

इन कलाकारों से गीतों को सुनकर इनको संग्रहित किया गया ।

AAI NAAM-1 (धोकुआखाना)

Aai mur gadhuli gadhuli
Aai mur aai phure paduli
Aai mur rakhare kalosi loi
Aai mur rakh dhali dia
Aai mur polam nakariba
Aai mur grihoi bar dukh pai
Aai mur handhiya belika
Aai mur nijanjale dia
Aai mur aai ahibare bela
Aai mur aai ahibore
Aai mur ami najanilu
Aai mur asilu bishmay hoi
Aai mur sasere sasale

Aai mur korote kotale
Aai mur ukho parbatare sang
Aai mur hai salor pira
Aai mur aaimatri bahiba
Aai mur magile ji dan pai
Aai mur luitare bali
Aai mur tiyaba nuari
Aai mur barune nitiai mane
Aai mur manisar puali
Aai mur tuliba nuari
Aai mur aaiye nutule mane
Aai mur aai ahibare
Aai mur hol bahut dine
Aai mur mahadeu palehi kheda
Aai mur juane nujua
Aai mur kailakhar gukhani
Aai mur kailakh hoi ase huda
Aai mur dukhiar ghoroloi
Aai mur aai matri humaise
Aai mur dibale naikia aku
Aai mur murar kekhe singi
Aai mur pao masi dime
Aai mur dehar pari dime hanku
Aai mur najani humalu
Aai mur aaire fulani
Aai mur nisingi singilu kali
Aai mur aibarar dukhake
Aai mur khemak bhagawati
Aai mur matu saranate dhari
Aai mur aaire anguli
Aai mur nahar champakali
Aai mur hatat ranga koi guti
Aai mur mahadeu gunkhaye
Aai mur koi pathiaise
Aai mur neriba dharamar khuti
Aai mur bor aair manoni
Aai mur hukul pithaguri
Aai mur maju aair manani kua
Aai mur haru aair manoni
Aai mur porikhod gukhani
Aai mur nam loi godhuli pua
Aai mur batat loge pai
Aai mur narade hudhile
Aai mur norot puja hewa ki

Aai mur norot nore puja
Aai mur aku nai dakhina
Aai mur namere kare hantukh
Hunaru ati dhup
Ruparu ati dhup
Aair saranaloi prathana janaisu
Ai name hobo hontukh
Moi durasar o aai khamiba dai
Kewale tumar o aai khamiba dai
Aparadhi narayana he.
Hunaru ati dhup
Ruparu ati dhup
Aair saranaloi prathana janaisu
Ai name hobo hontukh

AAI NAAM-2 (घिलामोडा)

Godhulite aai ahe paduliloi sai
Mahamaya aai ahe hunor bankhi bai
Godhuli godhuli aai fure paduli
Duare duare saki a
Gandhorbor vbhitarat aai hobha patise
Aai ahe kotobar rati a
Gandharba abati pushpa abati
Debi aair agate jole
Dukhiar ghoraloi aai lok ahise
Dibaloi naikia aku a
Mathare kekhe pao masime
Dehar pari dime haku a
O ram ,o hari.

Aai mur aaire fulebari
Aai mur nejani humalu
Aai mur nisingi singilu kali
Aai mur aibarar dukhake
Aai mur khemak bhagawati
Aai mur matu saranate dhari
Aai mur saranate dharu
Aai mur katare karu
Aai mur ujua bengena bari
Aai mur rihar ansuwali
Aai mur noloy haru aaiye
Aai mur mohadeu bisua bari
Aai mur aaiye khai bengena

Aai mur sagoli hingia
Aai mur aaiye khaikunhiar rangi
Aai mur hagarar majote
Aai mur aaiye kolarule
Aai mur tharua bhangile kone
Aai mur aai ahisile
Aai mur sahor phuriboloi
Aai mur aparadh lagale kone
Aai mur hagorar baluka
Aai mur tiyaba nuari
Aai mur barune nitiai mane
Aai mur manisar puali
Aai mur tulibo nuari
Aai mur aaiye nutule mane
Aai mur dikho noir parate
Aai mur aai ahi asehi
Aai mur ghatoiye nakarai par
Aai mur hunar naukhoni
Aai mur rupar batha Sali
Aai mur dho sai anise bai
Aai mur hunor dange pelai
Aai mur aaiye kekhe melai
Aai mur hukuli akhanat bahi
Aai mur sora bamune
Aai mur sandipath parhaise
Aai mur bhabanik agate loi
Aai mur ahise bhabani
Aai mur jagatar manani
Aai mur sanya di rakhiboloi
Aai mur bor aair manoni
Aai mur hukul pithaguri
Aai mur maju aair manani kua
Aai mur haru aair manoni
Aai mur kailakhar gupini
Aai mur ai naame hantukhe hoba

O hari, O ram,
O ram ,o hari.
Rakha rakha matri aai o
Maya baghe khai
Tumi matri narakhile
Rakhutahe nai

Nirmala Dutta 	**Nirada Dutta** 	**Punyada Dutta**
Humala Dutta 	**Maniki Dutta** 	**Anumai Dutta**
Prabha Dutta 	**Kanmai Baruah** 	**Deheswari Kalita**

Ami Saikia	**Chenehi Dutta**	**Niru kalita**
Bhugeswari kalita	**Nirada Dutta**	**Runu Dutta**

दोनों ही आई नाम लगभग सामान है, किन्तु बोली एवं क्षेत्र विशेष में कुछ पंक्तियों में शब्द भिन्न है लेकिन मूल अर्थ एक ही है ।यह दोनों आई नाम धोकुआखाना व् घिलामोडा क्षेत्र के है । नाम गीत का ऑडियो mp3 format सलग्न है

अरुंधती कलिता

C/O धरनीधर कलिता

अलोक नगर, धौकुअखाना,

लखीमपुर (असम)

पिन-787055

Cont- 07597685739, arundhatikalita@gmail.com